सर्वप्रथम एस.एम.सी. के सदस्यों एवं सभी शिक्षक, भाई–बहिनों को बधाई एवं धन्यवाद। आपके प्रयास से तारानगर ब्लॉक के समस्त विद्यालयों ने पिछले सत्र से अधिक छात्र/छात्राओं को प्रवेश देकर नामांकन मे वृद्धि की है। इस ब्लॉक के मार्गदर्शन में संचालित 95 सरकारी विद्यालयों ने 2700 नए बच्चों के प्रवेश की संख्या का अंक पार कर लिया है जो समस्त नामांकन का 25 प्रतिशत से अधिक है, जिसके लिए आपको पुनः धन्यवाद। बच्चों के सर्वांगिण विकास एवं शिक्षा में गुणात्मक सुधार के प्रयास हेतु निम्न बिन्दुओं का स्मरण हमारे लिये आवश्यक है–

1. सुसज्जित कार्यालय एवं स्वच्छ व सुंदर विद्यालय परिसर आपके कार्य का प्रथम मूल्यांकन है।
2. आपके विद्यालय की शैक्षणिक एवं भौतिक स्थिति ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के कार्य का दर्पण है।
3. विद्यालय परिसर में निर्धारित स्थानों पर ही कचरा एकत्रित करने के प्रयास के अभ्यास में निरन्तर आवश्यक है।
4. छात्र–छात्राओं की सहभागिता से प्रार्थना सभा को आकर्षक एवं प्रभावी बनाना समय की मांग है।
5. विद्यालय परिसर में स्थित पौधों एवं शिक्षण में प्रयुक्त सहायक सामग्री के सम्बन्ध में बच्चों को जानकारी होना आवश्यक है। जल संरक्षण की जानकारी देना हमारा प्रथम कर्तव्य है।
6. विषय अध्यापक न होने पर भी बच्चों को गणित एवं विज्ञान किट के उपकरणों के नाम व उपयोगिता की जानकारी अवश्य होनी चाहिये।
7. सहायक सामग्री का प्र.अ. कार्यालय या स्टोर में संग्रहण न रहे, पुरानी तथा अस्पष्ट सामग्री में सुधार कर उचित स्थान पर लगाना आवश्यक है।
8. पुस्तकालय की पुस्तकें एक निश्चित अंतराल से वितरित हों तथा पुस्तकालय कक्ष में रस्सी के सहारे कक्षा 1 से 5 व 6 से 8 स्तर के अनुसार लगाकर रखें।
9. निर्धारित कालांश के अतिरिक्त खाली कालांश में भी पुस्तकालय में बैठकर अध्ययन करने की आदत का विकास किया जाना हितकार है।
10. गृहकार्य लिखित देना एवं गहनता से जांच कर तथा नियमानुसार लिये गये टेस्ट का रिकॉर्ड सुरक्षित रखना गुणात्मकता में अभिवृद्धि का कारण है।
11. अध्यात्म हमारा सांस्कृतिक आधार है और प्रत्येक स्तर की स्वच्छता हमारे संस्कारों का अंग है। अनुकरण से सीखना उत्तम विद्या है। स्वच्छ शौचालय सभ्यता का प्रतीक है।
12. अध्यापक बच्चों के सामने अनुकरण योग्य स्तर बनाकर उदाहरण प्रस्तुत करे तथा अंग्रेजी के शब्दों का अधिकतम प्रयोग करें व करावें।
13. सामान्य ज्ञान एवं आवश्यक जानकारी योग्य तथ्यों को पुस्तकालय की दिवारों या अन्य सुरक्षित स्थान पर अंकित करना बच्चों के लिए उपयोगी होगा।
14. विद्यालय प्रबन्ध समिति की बैठक समय पर हो एवं अध्यक्ष पद पर शिक्षा के प्रति सकारात्मक विचार रखनेवाले अभिभावकों का चयन ही किया जाना चाहिये। बच्चों के शैक्षिक स्तर को अभिभावकों के सामने प्रस्तुत व सुझाव प्राप्त करना उपयोगी है।
5. एक निश्चित अंतराल के पश्चात अभिभावकों से मिलना आपकी मेहनत को गुणात्मक स्वरूप प्रदान करता है।
 शिक्षक दैनन्दिनी का नियमित संधारण एवं योजनानुसार अध्यापन का प्रयास परिणाम के प्रतिशत को बढ़ाता है। इसमें प्र.अ. का मार्गदर्शन अति उपयोगी है।
 गृह कार्य की जांच के साथ लिखित मार्गदर्शन एवं अभ्यास अति आवश्यक है।
 सभी प्रकार की छात्रवृत्तियों की समय पर समिक्षा व आवेदन प्रधानाध्यापक का पहला नैतिक कर्तव्य होना चाहिये।
 विद्यालय के संसाधनों में अभिवृद्धि तथा उपलब्ध संसाधनों का उपयोग शिक्षकों के बौद्धिक कौशल को परिभाषित करता है।
 गुणवत्तायुक्त पोषाहार खिलाकर बच्चों के हंसते हुये चेहरों को देखना ईश्वर की आराधना से कम नहीं है। खेलों में रुचि पैदाकर ...शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है' की अवधारणा को छात्रों में लोकप्रिय बनाना र... राष्ट्र निर्माण के लिये अति उपयोगी है।

Scanned by CamScanner